बिहार में डेयरी और दूध पाउडर संयंत्र की स्थापना

चर्चा में क्यों?

डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने और किसानों की आजीविका में सुधार लाने के लिये, **बिहार के** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में **तीन नए डेयरी संयंत्रों** तथा **दो दूध पाउडर विनिर्माण इकाइयों** की स्थापना की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **नए डेयरी संयंत्र और दूध पाउडर इकाइयाँ**
  - **5 लाख लीटर प्रतिदिन** की संयुक्त क्षमता वाले तीन **डेयरी संयंत्र** दरभंगा, वज़ीरगंज (गया) और गोपालगंज में स्थापित किये जाएंगे।
  - प्रतिदिन **30 मीट्रिक टन** की क्षमता वाले दो **दूध पाउडर विनिर्माण संयंत्र** डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास) और सीतामढ़ी में स्थापित किये जाएंगे।
  - इन संयंत्रों का उद्देश्य **दुग्ध उत्पादों की बढ़ती माँग** को पूरा करना तथा **स्थानीय क्षेत्रों में रोज़गार** उपलब्ध कराना है।
- **कृषि विकास में डेयरी उद्योग की भूमिका**
  - राज्य सरकार ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में प्रमुख योगदानकर्त्ता के रूप में डेयरी के **महत्त्व** और दुधारू पशुओं की उन्नत नस्लों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
  - नई डेयरी इकाइयाँ सहकारी विस्तार में भी मदद करेंगी और **दूध की गुणवत्ता में सुधार** करेंगी।
- **परियोजना का वित्तपोषण**
  - संयंत्रों का वित्तपोषण भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) और बिहार राज्य दुग्ध सहकारी संघ (COMFED) के माध्यम से किया जाएगा।

बिहार की GDP में क्षेत्रीय योगदान

- **नीति आयोग** के अनुसार, बिहार की वास्तविक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (**GSDP**) **वर्ष** 2012-13 और 2021-22 के बीच **5.0% की औसत दर** से बढ़ी है, जो इसी अवधि के दौरान राष्ट्रीय औसत विकास दर **5.6%** से कम है।
- विगत तीन दशकों में, **राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद** में बिहार की हिस्सेदारी **1990-91 में 3.6%** से घटकर **2021-22 में 2.8%** हो गई है।
- **वर्ष 2021-22 में इसकी नाममात्र प्रति व्यक्ति आय**, राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय का केवल **30%** थी।
- **GSVA** में **सेवा क्षेत्र** की हिस्सेदारी सबसे अधिक (**57.1%**) है, उसके बाद **कृषि (24.3%)** और **उद्योग (17.2%)** का स्थान है।
- **वित्त वर्ष 2021-22** में कुल GSVA **(नाममात्र)** में **कृषि क्षेत्र** की हिस्सेदारी **24.9%** थी।
- **वर्ष 2013-14 और 2022-23** के बीच राज्य के **सेवा क्षेत्र**, **उद्योग** तथा **कृषि** में क्रमशः **6.4%**, **8.6%** एवं **2.6%** की वृद्धि हुई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/set-up-of-dairy-and-milk-powder-plant-in-bihar